



INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice

वार्षिक रिपोर्ट / Annual Report

2020 - 21





INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice

वार्षिक रिपोर्ट / Annual Report

2020 - 21

के द्वारा 2022 में प्रकाशित

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ

कमरा संख्या 331, द्वितीय तल, विज्ञान भवन एनेक्स, नई दिल्ली-110001 (भारत)

दूरभाष: 011 23022364

वेब: www.ibcworld.org

Published in 2022 by

INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Room No. 331, 2nd Floor, Vigyan Bhawan Annexe, New Delhi-110001

Phone: 011 23022364

Web: www.ibcworld.org

© अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ

© INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

विषय सूची/INDEX

	पृष्ठ
अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के बारे में About IBC	1
1. वैशाख दिवस समारोह Buddha Purnima Celebrations-7 th May, 2020	3-7
क. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ का वैश्विक प्रार्थना सप्ताह-8 से 16 मई, 2020 a. IBC's Global Prayer Week from 8 th -to-16 th May, 2020	
2. आषाढ़ पूर्णिमा धर्म चक्र प्रवर्तन दिवस-4 जुलाई, 2020 Ashadha Purnima Dharma Chakra Pravartana Divas- 4 th July, 2020	8-12
क कांजुर के अंकीकृत (डिजिटलाइज्ड) प्रकाशन का अनावरण ख सारनाथ से प्रसारित प्रार्थना और सांस्कृतिक कार्यक्रम a. Unveiling of the digitized publication of Kanjur b. Prayers and Cultural Programme streamed from Sarnath	
3. संतों को परितारण और कथिना चीवर दाना अर्पण – 3-4 अक्टूबर, 2020, संकिसा, उत्तर प्रदेश Paritaran and Kathina Chivar Dana offering to Monks 3 rd - 4 th October, 2020, Sankisa, UP	13-14
4. संतों को परितारण और कथिना चीवर दाना अर्पण- 25 अक्टूबर, 2020, संकिसा, उत्तर प्रदेश Kathina Chivar Dana offering to Monks 25 th October, 2020, Pragya Buddha Vihar, Vikaspuri, New Delhi	15
5. बौद्ध संगोष्ठी: मुद्दे, अंतःक्रिया एवं पहल: Buddhist Conclaves: Issues, Interaction & Initiatives:	16-20
क दिल्ली – रा.रा.क्षेत्र बौद्ध संगोष्ठी: 21 से 22 नवंबर, 2020, बहुउद्देशीय कक्ष, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली a. Delhi-NCR Buddhist Conclave: 21 st -22 nd November, 2020, Multipurpose Hall, India International Centre (IIC), New Delhi ख उत्तर पूर्व भारत बौद्ध संगोष्ठी: 3 से 4 फरवरी, 2021, गुवाहाटी, असम b. North-East India Buddhist Conclave: 3 rd -4 th February, 2021, Guwahati, Assam ग पूर्वी भारत बौद्ध संगोष्ठी: 1 से 2 मार्च, 2021, कोलकाता, पश्चिम बंगाल c. Eastern India Buddhist Conclave: 1 st -2 nd March, 2021, Kolkata, West Bengal	
6. अधिकार प्राप्त समिति की बैठकें Empowered Committee Meetings	21



1

**अन्तराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आई बी सी)
के बारे में /
About (IBC)**

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ

सामूहिक चिंतन: एक स्वर

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) एक बौद्ध छत्रक संस्था है जो विश्व भर के बौद्धों के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में है।

सर्वोच्च बौद्ध धार्मिक पुरोहिताधिपत्य के संरक्षण में स्थापित इस संस्था में वर्तमान में, मठवासी और सामान्य दोनों के 320 से अधिक संगठनों की वैश्विक सदस्यता है, जिनमें वैश्विक संस्था, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संघ, मठ, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन और संस्थान शामिल हैं।

आदर्श वाक्य “सामूहिक ज्ञान, संयुक्त स्वर” द्वारा एकजुट, ‘आईबीसी का उद्देश्य सभी मानव जाति से संबंधित मुद्दों पर एकजुट बौद्ध आवाज पेश करके बौद्ध मूल्यों और सिद्धांतों को वैश्विक चर्चा का हिस्सा बनाना है।

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) अफ्रीका, कैरेबियन और दक्षिण अमेरिका की विभिन्न परंपराओं, लिंग और उभरते बौद्ध समुदायों के पारदर्शी, समावेशी और एक संतुलित प्रतिनिधित्व का पक्षधर है। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), जिसे दुनिया भर के बुद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा इसकी शासी संरचना में संघ और जनसाधारण दोनों को शामिल करने के लिए प्रशंसा की जाती है, को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा एक दूरदेशी, विश्वसनीय और कार्रवाई-उन्मुख विश्व बौद्ध छत्रक संस्था के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) दुनिया भर में मूर्त और अमूर्त बौद्ध विरासत, विशेष रूप से भारत में बोधगया जैसे पवित्र स्थलों, जहां बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया, साथ ही साथ कई अन्य के संरक्षण, विकास और प्रचार के लिए भी कार्य करता है, ।

मिशन वचन

एकजुट बौद्ध स्वर से बोलने के लिए दुनिया भर के बौद्धों के सामूहिक ज्ञान को एकत्रित करना; बौद्ध विरासत, परंपराओं और प्रथाओं को संरक्षित रखते और प्रचार करते हुए बौद्ध मूल्यों को वैश्विक सहलग्नता का हिस्सा बनाना।

INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom, United Voice

The International Buddhist Confederation (IBC) is a Buddhist umbrella body that serves as a common platform for Buddhists worldwide. It is headquartered in New Delhi, India.

Established under the patronage of the supreme Buddhist religious hierarchy, it currently has a global membership of over 320 organizations, both monastic and lay, that include world bodies, national and regional federations, monasteries, international organizations and institutions.

United by the motto, “Collective Wisdom, United Voice”, IBC aims to make Buddhist values and principles a part of the global discourse by presenting a united Buddhist voice on issues that concern all humankind.

The IBC stands for transparency, inclusiveness and a balanced representation of various traditions, gender and emerging Buddhist communities in Africa, the Caribbean and South America. Praised by followers of Buddha Dharma from around the world for including both Sangha and laity in its governing structure, IBC has been hailed by the international media as a forward looking, credible and action-oriented World Buddhist umbrella Body.

The IBC also stands for the preservation, development and promotion of Buddhist heritage, both tangible and intangible worldwide, especially the holy sites like Bodh Gaya in India, where Buddha attained Enlightenment, as well as many others.

MISSION STATEMENT

To gather the collective wisdom of Buddhists around the world to speak with a united Buddhist voice; to make **Buddhist** values part of global engagement while working to preserve and promote Buddhist heritage, traditions and practices.



INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice

2

**अन्तराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा
आयोजित कार्यक्रम (२०२०-२०२१)**

**PROGRAMME ORGANISED
BY INTERNATIONAL BUDDHIST
CONFEDERATION (2020-2021)**

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम ७ मई, २०२० एवं ८ से १६ मई, २०२० तक वैश्विक प्रार्थना सप्ताह

कोविड-19 के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा वैशाख-बुद्ध पूर्णिमा दिवस समारोह को एक आभासी (वर्चुअल) कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। 7 मई की बुद्ध

पूर्णमा के आयोजन के क्रम में, 8 से 16 मई 2020 के दौरान एक वैश्विक प्रार्थना सप्ताह मनाया गया, वह भी आभासी (वर्चुअल) प्रारूप में मनाया गया था।



माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में आभासी (वर्चुअल) वैशाख वैश्विक समारोह के माध्यम से बुद्ध पूर्णिमा के दिन लाखों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुयायियों और अन्य लोगों को संबोधित करते हुए

माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा “भगवान बुद्ध का संदेश और हर जीवन से कठिनाइयों को दूर करने का संकल्प हमेशा मार्गदर्शन करता है और भारत की संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा रहा है।” वे दुनिया भर के श्रद्धालुओं और अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। “शाक्यमुनि ने भारत की संस्कृति को समृद्ध किया। आत्मज्ञान के बाद के अपने जीवन काल में, उन्होंने कई देशों में कई लोगों के जीवन को भी समृद्ध किया।

इसी तरह, उनका संदेश किसी एक परिस्थिति या किसी एक विषय तक सीमित नहीं है,” प्रधान मंत्री ने कहा।

बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (बीटीएमसी), आईबीसी चैप्टरों और कई सहयोगी संगठनों के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने भारत में **बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर, और नेपाल में लुंबिनी** के सबसे

Buddha Purnima Celebrations - 7th May, 2020 & A Global Prayer Week from 8th to 16th May, 2020

Covid -19 compelled International Buddhist Confederation (IBC) to hold Vaishakha-Buddha Purnima Divas celebrations as a virtual event. In continuation with the Buddha

Purnima event of 7th May, a Global Prayer Week was observed from 8th-to-16th May 2020, also in the virtual format.



Hon'ble Prime Minister Narendra Modi addressing lakhs of national and international devotees and others on the day of Buddha Purnima through the virtual Vaishakha Global Celebrations in New Delhi

Hon'ble Prime Minister Narendra Modi said “Lord Buddha's message and resolve to remove difficulties from every life has always guided and been a part of India's culture and civilization.” He was addressing devotees and others from around the world. “The Sakhyamuni enriched the culture of India. In his life after enlightenment, he also enriched

the lives of many in several countries. Similarly, His message is not limited to any one circumstance, or to any one subject,” the Prime Minister said.

The International Buddhist Confederation (IBC) in association with Bodhgaya Temple Management Committee (BTMC), IBC

पवित्र स्थलों से समारोहों और प्रार्थनाओं को देखने और उनमें भाग लेने का एक अनूठा और धन्य अवसर प्रदान किया था। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के महासचिव सम्मानित डॉ. धम्मपिया, राष्ट्रीय बुद्ध पूर्णिमा समारोह के संयोजक ने बताया, “कोविड-19 की बाधाओं के कारण हमें आभासी (वर्चुअल) बुद्ध पूर्णिमा दिवस आयोजित करना पड़ा।” उन्होंने **भूटान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश, कंबोडिया, वियतनाम, लाओस, कोरिया, हांगकांग, ताइवान, चीन, मंगोलिया, युगांडा, केन्या, रूस, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, भारत के संघों और तिब्बती संघ के सर्वोच्च प्रमुखों** का स्वागत किया, और उनके संदेशों और प्रार्थनाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) का आभार व्यक्त किया।

आभासी (वर्चुअल) बुद्ध पूर्णिमा और वैश्विक प्रार्थना सप्ताह को 27 देशों से क्रमशः 2.5

लाख और 20 लाख से अधिक दर्शकों की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली।

इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण **श्रीलंका में राजगुरु श्री सुभूति महा विहारा, वास्काडुवा की प्रार्थनाओं के बीच पवित्र बुद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी** थी। इस दिन बाद में, इस कार्यक्रम में पवित्र उद्यान लुंबिनी, नेपाल, महाबोधि मंदिर, बोधगया, भारत, मूलगंध कुटी विहार, सारनाथ, भारत और परिनिर्वाण स्तूप, कुशीनगर, भारत से अन्य समारोहों और प्रार्थनाओं का लाइव स्ट्रीमिंग शामिल किया गया था।

श्रीलंका के पवित्र और ऐतिहासिक अनुराधापुरा स्तूप परिसर में स्थित रुवनवेली महा सेया से विशेष पिरीथ जप, तथा बौधनाथ, स्वयंभू, नमो स्तूप, नेपाल से प्रार्थना और दीप प्रज्जवलन को भी आभासी (वर्चुअली) दिखाया गया।



श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, संस्कृति मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और बुद्ध पुर्णिमा दिवस राष्ट्रीय आयोजन समिति के अध्यक्ष

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, संस्कृति मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि बुद्ध ‘उच्चतर स्तर की सोच – ज्ञान का प्रकाश (ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रकाश

फैलाना), अहिंसा की भाषा और प्रेम का भाव के लिए जाने जाते थे।”

chapters and several partner organizations had put together a unique and blessed opportunity to witness and participate in the ceremonies and prayers from the most sacred sites of **Bodhgaya, Sarnath and Kushinagar in India, and Lumbini in Nepal.** The Secretary General of IBC, Ven. Dr. Dhammapiya, the Convenor of the Buddha Purnima Diwas National Organising Committee explained, “We were compelled to organise a Virtual Buddha Purnima day because of Covid-19 obligations.” He welcomed the **Supreme heads of the Sanghas from Bhutan, Nepal, Myanmar, Sri Lanka, Bangladesh, Cambodia, Vietnam, Laos, Korea, Hong Kong, Taiwan, China, Mongolia, Uganda, Kenya, Russia, South Africa, The US, India and The Tibetan Sangha,** and expressed IBC's gratitude for their messages and prayers.

The Virtual Buddha Purnima and Global Prayer Week received phenomenal

response with more than 2.5 lakh and 20 lakh viewers joining respectively from 27 countries.

A major highlight of the event was the **exposition of the Holy Buddha Relics amidst prayers from Rajaguru Sri Subhuthi Maha Vihara, Waskaduwa, in Sri Lanka.** Later in the day, the programme included Live Streaming of other ceremonies and prayers from the Sacred Garden Lumbini, Nepal, the Mahabodhi Temple, Bodhgaya, India, the Mulagandha Kuti Vihara, Sarnath, India and the Parinirvana Stupa, Kushinagar, India.

The special Pirith Chanting from Ruwanweli Maha Seya in the sacred and historic Anuradhapura stupa premises, Sri Lanka, and prayer and lighting of lamp from Boudhanath, Swayambhu, Namo Stupa, Nepal were also virtually shown.



Mr Prahlad Singh Patel, Minister of Culture (Independent Charge) and Chairman of the Buddha Purnima Diwas National Organising Committee

Mr Prahlad Singh Patel, Minister of Culture (Independent Charge) said that the Buddha stood for “higher levels of thinking- *Gyan ka Prakash* (spreading the light of knowledge

and wisdom), the language of *Ahimsa* (non-violence) and *Prem ka Bhaav* (the language of love).



केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री श्री किरन रिजिजू

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री, श्री किरन रिजिजू, जो राष्ट्रीय बुद्ध पूर्णिमा समारोह आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष भी हैं, ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि “आभासी (वर्चुअल) बुद्ध पुर्णिमा दिवस के वैश्विक समारोह में भाग लेने के लिए बौद्धों और अन्य लोगों का एक साथ आना एक सार्वभौमिक और एकीकरण सिद्धांत का प्रतीक है, जो भारतीय सोच का केंद्र है”।

“हम आज दुनिया के सभी कोनों से एक बड़े परिवार के रूप में—वसुधैव कुटुम्बकम्—भारत की प्राचीन मान्यता—भगवान बुद्ध के ज्ञान के स्थान बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे से; लुंबिनी, जहां उनका जन्म हुआ था; सारनाथ, ज्ञान के बाद उनकी पहली शिक्षाओं का स्थान और कुशीनगर, महापरिनिर्वाण का स्थान का आभासी (वर्चुअल)—लाइव प्रार्थना समारोह देखने के लिए एकत्र हुए हैं” श्री रिजिजू ने कहा।



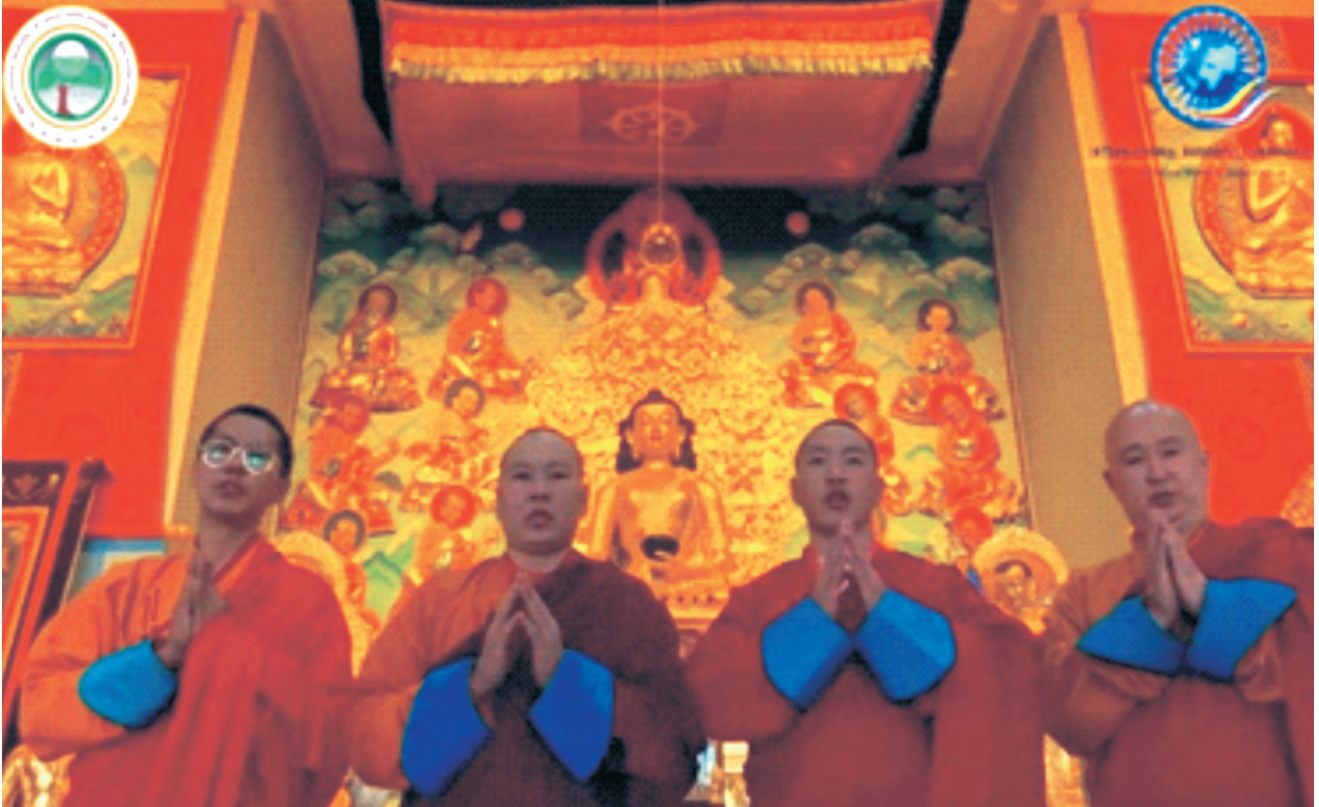
Union Minister of State for Minority Affairs, Mr Kiren Rijiju

In his opening address the Union Minister of State for Minority Affairs, Mr Kiren Rijiju, who is also the Co-chairman of the Buddha Purnima Diwas National Organising Committee said that the coming together of Buddhists and others to participate in the Global celebrations of the Virtual Buddha Purnima Day marks a universal and unifying principle, that is central to the Indian thought.

“We are gathered here today from all corners of the world as one large family Vasudhaiva Kutumbakam, the ancient belief in India, to witness virtual - live prayer ceremonies from under the Bodhi Tree in Bodhgaya, the place of Lord Buddha's enlightenment; Lumbini, where He was born; Sarnath, the place of His first teachings after enlightenment and Kushinagar, the place of Mahaparinirvana,” said Mr Rijiju.

**क. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ का वैश्विक प्रार्थना सप्ताह -
८ मई, २०२० से १६ मई, २०२० तक**

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने दिन भर चलने वाले १० दिवसीय आभासी (वर्चुअल) वैश्विक प्रार्थना आयोजित किया, जिसे दुनिया भर के सैकड़ों भक्तों और अन्य लोगों ने देखा।



गंडन तेगचेनलिंग मठ के युवा भिक्षुओं द्वारा महायान जप

आभासी (वर्चुअल) प्रार्थना सप्ताह आयोजन, कोरोना वायरस संक्रमण के पीड़ितों के लिए प्रार्थना करने और चिकित्सा पेशेवरों को सम्मानित करने और महामारी के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों के लिए समर्पित था।

लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भक्तों और अन्य

लोगों को, प्रख्यात व्यक्तित्वों, महान आध्यात्मिक गुरुओं, सर्वोच्च संघ के सदस्यों, आदरणीय भिक्षुओं, भिक्षुणियों और कई अन्य सम्मानित लोक चिकित्सकों से अमूल्य संदेशों, भाषणों और धर्म वार्ताओं को सुनने का अवसर मिला, और उन्हें धर्म और न्याय परायण जीवन के विषय पर दुनिया भर के कई प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियों को देखने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

a. IBC's Global Prayer Week from 8th to 16th May, 2020

The IBC held a day-long virtual Global Prayer week for 10-days where hundreds of devotees and others from around the world witnessed it.



Mahayana Chanting by Young Monks of Gandan Tegchenling Monastery, Mongolia

The virtual prayer week was dedicated to prayers for the victims of Corona virus contagion and honouring the medical professionals, and first-responders in the frontline of humanity's fight- back against the pandemic.

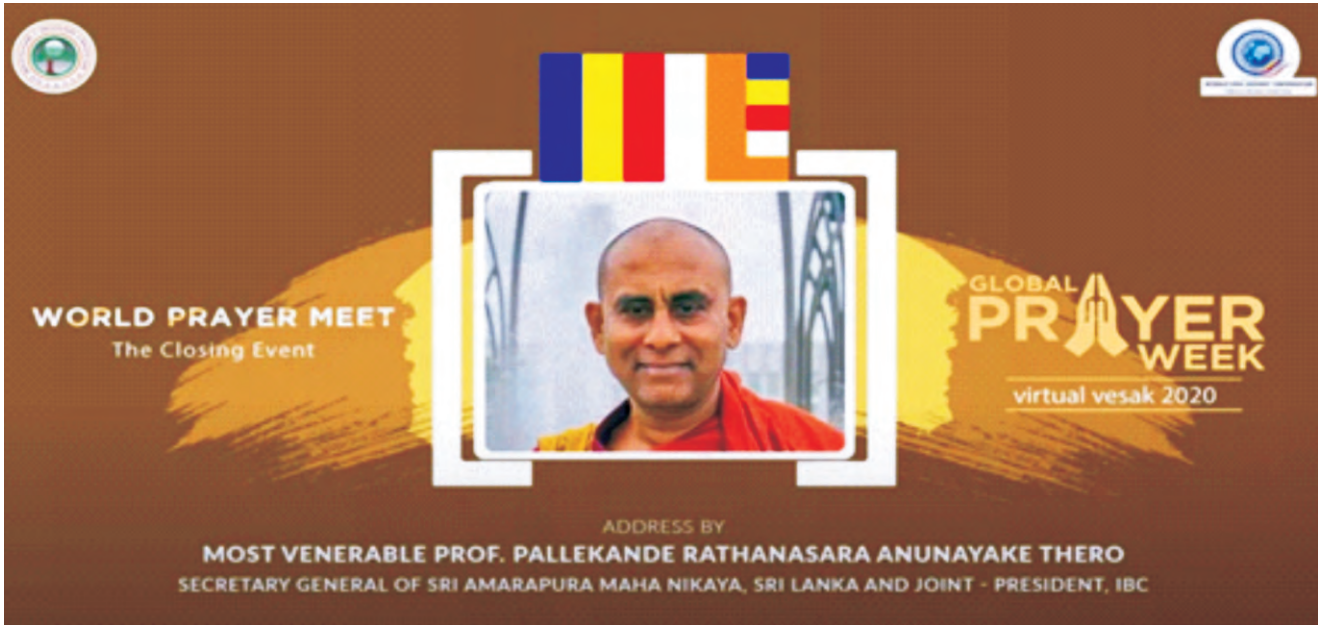
Through live streaming and otherwise, the devotees and others got an opportunity to

listen to invaluable messages, speeches and Dharma talks from eminent personalities, great spiritual masters, Supreme Sangha members, Venerable monks, nuns and many other honourable lay practitioners, and also had an opportunity to witness presentations by many renowned artists from around the world on the theme of Dharma and righteous living.



आभासी (वर्चुअल)– बुद्ध पूर्णिमा और वैश्विक प्रार्थना सप्ताह को 27 देशों से क्रमशः 2.50 लाख और 20 लाख से अधिक दर्शकों की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

इसके अलावा, कार्यक्रम को फेसबुक, आईबीसी ऐप्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, मंडला ऐप और कई अन्य ऑनलाइन चैनलों पर भी प्रस्तुत किया गया। सैकड़ों बौद्ध और गैर-बौद्ध समान रूप से इस आभासी (वर्चुअल) पवित्र समारोह के साक्षी बने और लाभान्वित हुए।



The Virtual- Buddha Purnima and Global Prayer Week received phenomenal response of more than 2.50 lakhs and 20 -lakh viewers joining respectively from 27 countries

In addition, the programme was also presented on Facebook, IBC Apps, Instagram, YouTube, Mandala App, and many other online channels. Hundreds of Buddhists and non- Buddhists alike witnessed and benefitted from this virtual holy event.

आषाढ़ पूर्णिमा धर्म चक्र प्रवर्तन दिवस- ४ जुलाई, २०२०



माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद को माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने ४ जुलाई को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन और सारनाथ में धर्म चक्र प्रवर्तन दिवस के रूप में आषाढ़ पूर्णिमा का आयोजन किया। यह एक हाइब्रिड प्रारूप में था, जिसमें राष्ट्रपति भवन के कार्यक्रम में सीमित संख्या में अतिथि थे, जबकि सारनाथ के मंत्रोच्चारण को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया था। प्रधानमंत्री का संबोधन भी ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। सभी अंतरराष्ट्रीय वक्ता, विभिन्न मठों से प्रार्थनाएं आभासी (वर्चुअल) आयोजित की गयीं।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि

“भारत को धर्म की उत्पत्ति की भूमि होने पर गर्व है। यह भारत से ही यह पड़ोसी क्षेत्रों में फैलने लगा था। नई उपजाऊ मिट्टी और नई जलवायु में यह व्यवस्थित रूप से विकसित हुआ, अंततः विभिन्न शाखाओं में बंट गया” उन्होंने कहा।

“जब से, धर्म चक्र, ध्रुव तारा रहा है, आध्यात्मिक साधकों को सांसारिक जीवन के चक्रव्यूह के माध्यम से मार्गदर्शन करने और दुख के अंत तक पहुंचने में मदद करता है – यहां और अभी। यह इतना वैज्ञानिक है कि यह एक पारंपरिक हठधर्मी धर्म से अधिक मनोचिकित्सा जैसा दिखता है, राष्ट्रपति महोदय ने आगे कहा”।

Ashadha Purnima Dharma Chakra Pravartana Divas- 4th July, 2020



**Hon'ble President Shri Ram Nath Kovind was presented a memento by
Hon'ble Minister of Culture, Shri Prahlad Singh Patel**

The International Buddhist Confederation IBC organized Ashadha Purnima on July 4 as Dharma Chakra Pravartana Divas both at the Rashtrapati Bhawan, in New Delhi and at Sarnath. It was in a hybrid format with the President House event having a limited number of guests while the chantings from Sarnath were streamed online. The Prime Minister's address was also presented online. All international speakers, prayers from various monasteries were virtual.

President Ram Nath Kovind greeted all on the occasion of Ashadha Purnima saying that

India is "proud of being the land of the origin of Dharma. It was from India that it began to spread to neighbouring regions. There, in new fertile soil and new climate it grew organically, eventually branching off into various offshoots," he noted.

"Ever since, the 'Dharma Chakra', has been the lodestar, helping spiritual seekers navigate through the maze of worldly life and arrive at the end of suffering - here and now. It is so scientific that it resembles psychotherapy more than a traditional, dogmatic religion," the President further added.



राष्ट्रपति भवन में आभासी (वर्चुअल) कार्यक्रम

इस कार्यक्रम में इंडोनेशिया, जमैका, जापान, लाओस, मलेशिया, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, रूस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, ताइवान, वियतनाम, थाईलैंड, युगांडा, यूके और यूएस जैसे देशों के भिक्षुओं ने इस आभासी (वर्चुअल) समारोह में भाग लिया।

इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, मूलगंधकुटी विहार मंदिर सारनाथ, महाबोधि मंदिर, बोध गया, गंडन तेगचेनलिंग मठ (मंगोलिया) में मंत्रोच्चारण का सीधा प्रसारण किया गया।

यह प्रस्ताव किया गया था कि आषाढ़ पूर्णिमा के इस पवित्र दिन को धर्म चक्र प्रचार दिवस या धर्म चक्र दिवस के रूप में समर्पित किया जाए और इसे मनाया जाए। यह अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) का प्रमुख कार्यक्रम होना चाहिए। यह बुद्ध धर्म, बुद्ध की यात्रा और शिक्षाओं की उत्पत्ति की भूमि के रूप में बौद्ध धर्म के विकास में भारत के वर्चस्व की दिशा में बौद्ध दुनिया को प्रेरित करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के प्रयासों का पूरक होगा।



The virtual programme at Rashtrapati Bhawan

The event saw monks from countries such as Indonesia, Jamaica, Japan, Laos, Malaysia, Mongolia, Myanmar, Nepal, Russia, Singapore, South Korea, Sri Lanka, Taiwan, Vietnam, Thailand, Uganda, the UK, and the US participate in the virtual event.

As part of the programme, chanting of prayers at the Mulagandha Kuti Vihara temple, Sarnath, the Mahabodhi Temple, Bodh Gaya, the Gandan Tegchenling Monastery (Mongolia) were streamed live.

It was proposed that this sacred day of Ashadha Purnima be dedicated and celebrated as Dharma Chakra Pravartana Divas or Dharma Chakra Day. It should be the flagship event of International Buddhist Confederation (IBC). It will also supplement IBC's efforts to galvanise Buddhist world towards India's supremacy in the evolution of Buddhism as the land of the origin of Buddha dharma, Buddha's travels and teachings.

क. कांजूर के अंकीकृत (डिजिटल) प्रकाशन का अनावरण



माननीय संस्कृति मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा माननीय राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद को मंगोलियाई कंजूर (बुद्ध के अनुवादित शब्द) के डिजिटल प्रकाशन के पहले खंड की प्रस्तुति। माननीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री, श्री किरेन रिजिजू (सबसे बाएं), मंगोलिया के राजदूत, महामहिम गोंचिंग गनबोल्ड और महासचिव अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), सम्मानीय डॉ. धम्मपिया (राष्ट्रपति के दाएं)। स्वर्गीय डॉ. रघु वेरा के अभिलेखागार से डॉ. लोकेश चंद्र द्वारा संकलित अमूल्य प्रकाशन भारत के मंगोलिया के लोगों के लिए एक भेंट है।

प्रोफेसर रघु वेरा ने वर्ष 1956–58 के दौरान अपनी मंगोलिया यात्रा के दौरान दुर्लभ कांजूर पांडुलिपियों की एक माइक्रोफिल्म प्रति प्राप्त की और उन्हें भारत ले आए। इन्हें बाद में मंगोलिया में कम्युनिस्ट शासन के तहत नष्ट कर दिया गया। 1970 के दशक में, 108 खंडों में मंगोलियाई कांजूर को पूर्व राज्यसभा सांसद प्रोफेसर लोकेश चंद्र द्वारा प्रकाशित किया गया

था। अब वर्तमान संस्करण राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है।

इसमें दो प्रकाशन हैं जो वर्ष 2022 में मंगोलियाई मठों को प्रस्तुत किए जाएंगे, इस प्रकार यह भारतीय और मंगोलियाई विद्वानों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को दर्शाता है। पहला मंगोलियाई कंजूर (बुद्ध के अनुवादित शब्द) के

a. Unveiling of the digitized publication of Kanjur



Presentation of the first volume of the digitized publication of Mongolian Kanjur (the translated words of the Buddha) to the Hon'ble President, Mr Ram Nath Kovind by Hon'ble Minister of Culture (Independent Charge), Mr Prahlad Singh Patel. Hon'ble Minister of State for Minority Affairs, Mr Kiren Rijiju (extreme left), the Ambassador of Mongolia, H.E Gonching Ganbold and the Secretary General IBC, Ven Dr Dhammapiya (right of the President). The invaluable publication compiled by Dr. Lokesh Chandra from the archives of late Dr. Raghu Vera is an offering to the people of Mongolia from India.

Professor Raghu Vera during his visit to Mongolia from 1956-58 obtained a microfilm copy of the rare Kanjur manuscripts and brought them to India. These were subsequently destroyed under the Communist regime in Mongolia. In the 1970s, Mongolian Kanjur in 108 volumes was published by Professor Lokesh Chandra, former Rajya Sabha MP. Now the present edition is being

published by the National Mission for Manuscripts.

There are two publications that will be presented in 2022 to the Mongolian Monasteries, thus signifying the age-old spiritual ties between Indian and Mongolian scholars. The first is on a digitized set of rare texts of the Mongolian *Kanjur* (the translated

दुर्लभ ग्रंथों के डिजीटल सेट पर है। दूसरा मंगोलियाई विद्वान बयाम्बिन रिनचेन (1905–77) द्वारा संकलित और प्रो. शशि बाला द्वारा संपादित मंगोलियाई तेनजुर (शिक्षाओं पर अनुवादित

टिप्पणी) की एक सूची है। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) मंगोलिया को 108 संस्करणों के परिवहन की सुविधा प्रदान कर रहा है।

words of the Buddha). The second is a catalogue of the Mongolian *Tenjur* (translated commentaries on the teachings) compiled by the Mongolian Scholar Byambin Rinchen

(1905–77) and edited by Prof. Shashi Bala. The IBC is facilitating the transportation of the 108 volumes to Mongolia.

ख. सारनाथ से प्रसारित प्रार्थना और सांस्कृतिक कार्यक्रम



गंदान टेगचिनलिंग मठ, मंगोलिया से प्रार्थना

महाबोधि मंदिर, बोधगया, भारत से मंत्रोच्चारण किए गए और उत्सव आयोजित किए गए; सेक्रेड टूथ रेलिक टेंपल, कैंडी, श्रीलंका से प्रार्थनाओं और समारोहों की स्ट्रीमिंग की गयी; गंदान टेगचिनलिंग मोनेस्ट्री, मंगोलिया से प्रार्थना; गोल्डन डोम, वाट धम्मकाया, थाईलैंड से धर्म चक्र प्रचार सूत्र का जप; चीन गणराज्य (ताइवान) के बौद्ध संघ द्वारा चीनी परंपरा के

अनुसार धर्म चक्र प्रवर्तन सूत्र का जाप; जामयंग चोलिंग संस्थान (भारत) की भिक्षुणियों द्वारा धर्म चक्र दिवस मनाने के लिए बौद्ध प्रार्थनाओं का जाप और विभिन्न देशों के बौद्ध संघ के सर्वोच्च प्रमुखों द्वारा वीडियो संदेश। उपरोक्त सभी कार्यक्रम वर्चुअली सारनाथ से प्रसारित किए गए थे।

b. Prayers and Cultural Programme streamed from Sarnath



Prayers from Gandan Tegchenling Monastery, Mongolia

There was chanting and ceremonies from Mahabodhi Temple, Bodhgaya, India; streaming of prayers and ceremonies from Sacred Tooth Relic Temple, Kandy, Sri Lanka; prayers from Gandan Tegchenling Monastery, Mongolia; chanting of Dharma Chakra Pravartana Sutra from the Golden Dome, Wat Dhammakaya, Thailand; chanting of Dharma Chakra Pravartana Sutra as per Chinese

tradition by Buddhist Association of the Republic of China (Taiwan); Chanting of Buddhist Prayers to commemorate the Dharma Chakra Divas by the nuns of Jamyang Choling Institute (India) and video messages by Supreme Heads of Buddhist Sangha from various countries. All the above were virtually streamed from Sarnath.

भिक्षुओं को परितारण और कथिना चीवर दाना अर्पण- ३-४ अक्टूबर, २०२०, संकिसा, यूपी



मुख्य अतिथि, डॉ. सुश्री संघमित्रा मौर्य, लोकसभा, सांसद, बदायूं (बीच में)
आदरणीय डॉ. उपानंद थेरो, महासचिव, वायबीएस, भारत को चिवार पेश करती हैं।

यूथ बुद्धिस्ट सोसाइटी (वायबीएस) ने अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से प्रायोजित ३-४ अक्टूबर, २०२० को वायबीएस केंद्र, अभिदम्मा हॉल, राजघाट, संकिसा, यूपी में भिक्षुओं के लिए दो दिवसीय परितारण और कथिना चीवर दान समारोह का आयोजन किया।

कथिना चीवर दान बुद्ध के दिनों से सबसे पुरानी संरक्षित बौद्ध परंपराओं में से एक है। कथिना चीवर दान या भिक्षु का वस्त्र भेंट समारोह तब होता है जब भक्त वर्षा (मानसून) के मौसम के बाद वस्त्र सहित विभिन्न वस्तुओं को भिक्षुओं को दान करते हैं।

अवधारणा यह है कि भिक्षुओं को नया वस्त्र दिया जाए क्योंकि बारिश के मौसम में पुराने वस्त्र खराब हो जाते हैं ताकि वे अपने सामान्य मठवासी जीवन को जारी रख सकें और ध्यान कर सकें। वर्षावास एक वार्षिक परंपरा है, तीन महीने का मठवासी रिट्रीट है जो विशेष रूप से थेरवाद बौद्ध परंपरा में प्रचलित है।

कार्यक्रम का आयोजन यूपी के संकिसा में किया गया था। भगवान बुद्ध के स्वर्ग में अपनी माता को उपदेश देने के बाद यहां आने के बाद कहा जाता है कि इस शहर को प्रख्याति मिली। भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण (महान निधन) के बाद, सम्राट

Paritaran and Kathina Chivar Dana offering to Monks 3rd - 4th October, 2020, Sankisa, UP



The Chief Guest, Dr. Ms Sanghmitra Maurya, Lok Sabha, Member of Parliament, Badaun (in the middle) offering Chivar to Ven Dr. Upanand Thero, General Secretary, YBS, India.

The Youth Buddhist Society (YBS) supported by International Buddhist Confederation (IBC) organised a two-day Paritaran and Kathina Chivar Dana ceremony for Monks on 3rd-4th October, 2020 at YBS center, Abhidamma Hall, Rajghat, Sankisa, UP.

Kathina Chivar Dana is one of the oldest preserved Buddhist traditions since the days of the Buddha. The Kathina Chivar Dana or monk's robe offering ceremony is when the devotees donate different items to the Monks, including robes after the rainy (monsoon) season.

The concept is to give new robes to the monks as the old one's get worn out in the rainy season so that they can continue with their normal monastic life and meditate. Varsha Vasa is an annual three-month monastic retreat practiced especially in the Theravada Buddhist tradition.

The event was organized in Sankisa, UP. The city came into prominence after Lord Buddha is said to have descended here after giving a sermon to his mother in heaven. After the Lord Buddha's Mahaparinirvana (the Great Demise), Samrat Ashoka developed this place and installed one of his famous Pillars in the

अशोक ने इस स्थान को विकसित किया और शहर में अपने प्रसिद्ध स्तंभों में से एक को स्थापित किया। उन्होंने भगवान बुद्ध की यात्रा के उपलक्ष्य में एक स्तूप और एक मंदिर भी बनवाया था। यह मंदिर आज भी मौजूद है और स्तूप के खंडहर भी विशाखी देवी के मंदिर के रूप में मौजूद हैं।

संकिसा के कार्यक्रम में 90 भिक्षुओं और लगभग 300 लोकधर्मियों ने भाग लिया। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. संघमित्रा मौर्य, सांसद, बदायूं, यूपी थीं।

city. He also built a stupa and a temple commemorating the visit of Lord Buddha. This temple exists even today and the ruins of the stupa are also present as a temple of Vishari Devi.

The event at Sankisa was attendant by 90 Monks and around 300 lay participants. The Chief Guest at the celebration was Dr. Sanghmitra Maurya, Member of Parliament, Badaun, UP.

२५ अक्टूबर, २०२० को भिक्षुओं को कथिना चीवर दान, प्रज्ञा बुद्ध विहार, विकासपुरी, नई दिल्ली



मंडित नंदा, प्रज्ञा बुद्ध विहार, दिल्ली के मुख्य मठाधीश सहित
भिक्षुओं को कथिना चीवर दान देते हुए एक आम व्यक्ति।

डॉ अम्बेडकर समाज कल्याण संगठन,
विकासपुरी ने अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के
सहयोग से विकासपुरी में एक पवित्र 'कथिना

चीवर दान' उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम
में 10 भिक्षुओं और लगभग 100 आम लोगों ने
भाग लिया।

Kathina Chivar Dana offering to Monks 25th October, 2020, Pragya Buddha Vihar, Vikaspuri, New Delhi



**A lay person offering Kathina Chivar Dana to Monks, including Ven. Nanda,
Chief Abbot of Pragya Buddha Vihara, Delhi.**

Dr Ambedkar Samaj Kalyan Sangthan,
Vikaspuri in collaboration with International
Buddhist Confederation organised a sacred

'Kathina Chivar Dana' festival at Vikaspuri.
The programme was attended by 10 monks
and around 100 lay persons.

बौद्ध सम्मेलन: मुद्दे, अंतःक्रिया और पहल

- क. दिल्ली— रा.रा.क्षे. बौद्ध संगोष्ठी: 21–22 नवंबर, 2020
ख. उत्तर पूर्व भारत बौद्ध संगोष्ठी: 3–4 फरवरी, 2021, गुवाहाटी, असम
ग. पूर्वी भारत बुद्धिस्ट संगोष्ठी: 1–2 मार्च, 2021, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, बुद्ध धर्म की उत्पत्ति की भूमि भारत में बौद्ध मूर्त और अमूर्त विरासत के संरक्षण और विकास पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

अपने मिशन की राह में, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने बौद्ध संगोष्ठी— 'मुद्दे, अंतःक्रिया और पहल' का आयोजन किया। तीन संगोष्ठी दिल्ली— रा.रा.क्षे. (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), उत्तर—पूर्व भारत— गुवाहाटी और पूर्वी भारत—कोलकाता में आयोजित किए गए थे।

संकल्पना:

तीनों संगोष्ठियों में निम्नलिखित विषयों पर दो दिवसीय विचार—विमर्श आयोजित किए गए।

- क) दिल्ली — रा.रा.क्षे./उत्तर—पूर्व और पूर्वी भारत में बौद्ध विरासत स्थल की पहचान और संरक्षण की आवश्यकता पर विचार—विमर्श करने के लिए।

- ख) दिल्ली—रा.रा.क्षे./उत्तर—पूर्व और पूर्वी भारत में संघ और बौद्ध समुदायों के समक्ष मुद्दे और चुनौतियां।
ग) बौद्ध कार्यक्रमों का सामूहिक अनुष्ठान
घ) दिल्ली—रा.रा.क्षे./उत्तर—पूर्व और पूर्वी भारत में बौद्ध संगठनों का एक नेटवर्क स्थापित करना।
ङ) भारत और विदेशों के बौद्ध समुदायों के साथ सहयोग।

कोविड—19 प्रोटोकॉल के आलोक में, निमंत्रण प्रत्येक संघ के 2— प्रतिनिधियों और विहार, मठों और संघ निकायों के एक सहायक, और 2— आम सदस्यों, और एक संघ सदस्य (यदि कोई हो) तक सीमित था।

Buddhist Conclaves: Issues, Interaction & Initiatives

- a. Delhi-NCR Buddhist Conclave: 21st - 22nd November, 2020**
- b. North-East India Buddhist Conclave: 3rd - 4th February, 2021, Guwahati, Assam**
- c. Eastern India Buddhist Conclave: 1st - 2nd March, 2021, Kolkata, West Bengal**

International Buddhist Confederation has been actively working on preservation and development of Buddhist tangible and intangible heritage in India, the land of the origin of Buddha Dharma.

In pursuit of its mission, IBC organized Buddhist Conclaves – 'Issues, Interaction & Initiatives'. The three Conclaves were held in Delhi-NCR (National Capital Region), North-East India- Guwahati and East India- Kolkata.

The Concept:

The two-day deliberations were on the following themes at all the three Conclaves

- a) To deliberate on the need for identification and preservation of Buddhist Heritage sites in Delhi-NCR/ North- East and Eastern India.
- b) Issues and challenges before the Sangha and Buddhist Communities in Delhi - NCR / North - East and Eastern India.
- c) Collective Celebration of Buddhist events
- d) Establishing a network of Buddhist Organizations in Delhi - NCR / North - East and Eastern India.
- e) Collaboration with Buddhist communities in India and abroad.

In view of Covid-19 protocol invitations were limited to 2- delegates from each Sangha and one assistant from the Vihara, Monasteries and Sangha bodies, and 2- lay members, and one Sangha member (if any) for lay organizations.

क. दिल्ली-रा.रा.क्षे. बौद्ध संगोष्ठी- २१ एवं २२ नवंबर, २०२०, बहुउद्देशीय कक्ष, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली



प्रारंभ में महासचिव अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने तीन- संगोष्ठियों के लिए मार्ग निर्धारित किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि सभा बौद्ध धर्म में दिखाए गए अनुसार शांतिपूर्ण मार्ग का अनुसरण करने वाले शाक्यमुनि की शिक्षाओं के माध्यम से समुदाय, राष्ट्र और दुनिया की चुनौतियों और समस्याओं का सामना करने हेतु बौद्ध शिक्षाओं के संदर्भ में बड़े पैमाने पर चार विषयों पर गौर करेगी।

दुनिया भर में शांति और कल्याण लाने के लिए एक साथ काम करने, एक साथ बढ़ने की भावना में, महासचिव ने आगे बढ़ने की प्रक्रिया के रूप में पालन करने के लिए चार-‘सी’ की बात की।

1. कनेक्ट-जुड़ना-भारत और दुनिया भर के बौद्धों के साथ

2. कनेक्टिंग-जोड़ना-संबंध स्थापित करना
3. कॉलेबोरेशन-सहयोग-एक-दूसरे के साथ, जो पारस्परिक रूप से लाभप्रद हो
4. कॉपरेशन-सहयोग-मुद्दों और चुनौतियों के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में सभी के साथ मिलकर काम करना।

चार ‘पी’ की ओर अग्रसर-जो गतिविधियों के लिए प्रमुख क्षेत्र हैं

- क. प्रिजर्वेशन-संरक्षण-बौद्ध ऐतिहासिक स्थल, मठ और स्मारक
- ख. प्रोटेक्शन-परिरक्षण-बौद्ध संस्कृति, पहचान और आस्था
- ग. प्रोमोशन-प्रसार-बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार और संस्कृति का प्रचार-प्रसार। यहां विशेष उल्लेख पूरे हिमालयी बेल्ट में बौद्ध धर्म के पतन का था, क्योंकि भिक्षुओं और भिक्षुणियों दोनों के

a. Delhi-NCR Buddhist Conclave 21st-22nd November, 2020, Multipurpose Hall, India International Centre (IIC), New Delhi



At the outset Secretary General IBC set the tone for the three- Conclaves emphasizing that the gathering would look into the four themes within the context of Buddhist teachings to face the challenges and problems of the community, the nation and the world at large pursuing a peaceful path as shown in Buddhism.

In the spirit of working together, growing together to bring peace and well-being the world over, the Secretary General talked of four- 'C's' to follow as a process for forward movement.

1. To Connect– with Buddhists in India and worldwide
2. Connecting– establishing bonds

3. Collaboration– with one- another that is mutually beneficial
4. Cooperation– to work in harmony with all towards peaceful resolution of issues and challenges.

Leading to the four P's - which are the key areas for activities

- a. Preservation– Buddhist historical sites, monasteries and monuments
- b. Protection– Buddhist culture, identity and protection of faith
- c. Promotion– spreading the teachings of Buddha and promotion of the culture. Special mention here was the decline of Buddhism in the entire Himalayan belt, as those opting for the robe, both among the monks and the nuns- having drastically declined. This is a reflection of the

बीच चोगा धारण करने वालों में भारी गिरावट आई। यह डिजिटल युग है और चारों ओर चमकती उपभोक्तावादी दुनिया द्वारा पेश की गई चुनौती का प्रतिबिंब है।

घ. प्रोपेगेशन—प्रचार—प्रसार—मध्यम मार्ग पर चलकर बुद्ध के उपदेश। इसमें भिक्षु, भिक्षुणी, उपासक

और उपासिका शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक अपनी भूमिका और उत्तरदायित्वों को समझता है।

उपरोक्त मुद्दों पर निम्नलिखित दो संगोष्ठियों में भी चर्चा की गई।

challenge posed by the digital age and the glittering consumeristic world all around.

- d. Propagation– The teachings of Buddha by following the middle path. This includes the

monks, nuns, upasakas and upasikas each understanding their roles and responsibilities.

The above issues were discussed in the two following Conclaves also.

ख. उत्तर पूर्व भारत बौद्ध संगोष्ठी- ३-४ फरवरी, २०२१, गुवाहाटी, असम



आदरणीय भिक्षुओं को एक स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए महानिदेशक आईबीसी, श्री शक्ति सिन्हा

यह संगोष्ठी उत्तर पूर्व भारत बौद्ध संघ परिषद के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा आयोजित की गयी थी।

b. North-East India Buddhist Conclave 3rd - 4th February, 2021, Guwahati, Assam



Director General IBC, Mr Shakti Sinha presenting a memento to Venerable Monks

This Conclave was organised by International Buddhist Confederation (IBC) in association with the North East India Buddhist Sangha Council

ग. पूर्वी भारत बौद्ध संगोष्ठी- १ से २ मार्च, २०२१, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



संगोष्ठी में दर्शकों का एक वर्ग

इस संगोष्ठी का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया और अत्तोदीप, कोलकाता के सहयोग से किया गया था।

c. Eastern India Buddhist Conclave 1st - 2nd March, 2021, Kolkata, West Bengal



A section of the audience at the conclave

This Conclave was organised by International Buddhist Confederation (IBC) in association with the Maha Bodhi Society of India and Attodeep, Kolkata.

आईबीसी की अधिकार प्राप्त समिति की बैठकें

अधिकार प्राप्त समिति की चौथी बैठक आभासी (वर्चुअल) प्रारूप में आयोजित: 14 जून, 2020

अधिकार प्राप्त समिति की 5वीं बैठक: ऑनलाइन आयोजित की गई, गूगल मीट प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया था— 6 सितंबर, 2020

अधिकार प्राप्त समिति की 6ठी बैठक आभासी (वर्चुअल) प्रारूप में आयोजित की गयी: 10 फरवरी, 2021

समिति के सदस्यों को पिछली तिमाही के दौरान विभिन्न कार्यात्मक और प्रशासनिक प्रगतियों के बारे में सूचित किया गया था और पिछली बैठकों के कार्यवृत्त को अंगीकृत किया गया था। इसके अलावा, इन बैठकों में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) की भावी गतिविधियों, अन्य पहलों,

विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी/सहयोग और सदस्य देशों में बैठकों पर चर्चा की गई। अधिकार प्राप्त समिति की बैठकों में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गयीं।

The IBC's Empowered Committee Meetings

4th Empowered Committee Meeting held in the virtual format: 14th June, 2020

5th Empowered Committee Meeting: held online, platform was Google Meet: 6th September, 2020

6th Empowered Committee Meeting held in the virtual format: 10th February, 2021

The Committee Members were informed of various functional and administrative developments during the past quarter and minutes of the previous meetings were adopted. Further, IBC's future activities, other

initiatives, partnerships/collaborations with different organisations and with member countries were discussed at the meetings. The IBC's Accounts were also presented at the Empowered Committee Meetings.



INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice





INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice





INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION

Collective Wisdom United Voice





INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION
Collective Wisdom United Voice

INTERNATIONAL BUDDHIST CONFEDERATION
Room No. 331, 2nd Floor, Vigyan Bhawan Annexe, New Delhi-110001
Phone : 011-23022364
Web: www.ibcworld.org